श्री राम जानकी बैठे हैं

श्री राम चंद्र जी महाराज के भरे दरबार में,
विभीषण ने ताहना मारा,
ऐ बजरंगी, क्या तेरे मन में भी राम है ?
हनुमान जी ने श्री राम का नाम लिया,
और सीना फाड़ा, बोले ले देख, जय श्री राम,,,,,,,,,,

(ना चलाओ बाण, व्यंग के ऐ विभीषण,
ताहना ना सह पाऊँ ।
क्यों तोड़ी है ये माला, तुझे ऐ लंकापति बतलाऊँ ।
मुझ मे भी है, तुझ में भी है, सब में है समझाऊँ,
ऐ लंकापति विभीषण ले देख,
मैं तुझ को आज दिखाऊँ ।)

श्री राम, जानकी, बैठे हैं, मेरे सीने में ॥
*देख लो मेरे, दिल के, नगीने में xll
श्री राम, जानकी, बैठे हैं, मेरे सीने में,,,,,,,,,

मुझ को कीर्ति न वैभव, न यश चाहिए,
राम के नाम का, मुझ को रस चाहिए ॥
*सुख मिले ॥ ऐसे, अमृत को पीने में xll
श्री राम, जानकी, बैठे हैं मेरे सीने में,,,,,,,,,

राम रसिया हूँ मैं, राम सुमरिन करूँ,
सिया राम का, सदा ही मैं, चिंतन करूँ ॥
(अनमोल कोई भी चीज़,
मेरे काम की नहीं,
ऐ विभीषण,,,दिखती अगर उसमे छवि,
सिया राम की नहीं)

राम रसिया हूँ मैं, राम सुमरिन करूँ,
सिया राम का, सदा ही मैं, चिंतन करूँ ॥
*सच्चा आनंद है ॥, ऐसे जीने में xll
श्री राम, जानकी, बैठे हैं मेरे सीने में,,,,,,,,,

फाड़ सीना है, सब को ये, दिखला दिया,
भक्ति में मस्ती है, बे-धड़क, दिखला दिया ॥
कोई मस्ती ना ॥ सागर, मीने में xll
श्री राम, जानकी, बैठे हैं मेरे सीने में,,,,,,,,,
धुन- अल्लाह ये अदा कैसी है
अपलोडर- अनिल रामूर्ति भोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/10664/title/shri-ram-jaanki-bethe-hai-mere-seene-me

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |